Title Code : RAJBIL01655
Issue 5, Volume 4
January, 2018

Estd. in 2008
''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ''

Upcoming Days in January

9 Jan.	NRI Day
10 Jan.	World Hindi Day
12 Jan.	National Youth Day
15 Jan.	Indian Army Day
22 Jan.	Girl Child Week (India)
25-29 Jan.	Jaipur Literature Festival
25 Jan.	India Tourism Day
26 Jan.	Indian Republic Day
30 Jan.	National Cleanliness & Martyrs Day (India)

प्रधान कार्यालय :
ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय
वेदान्त ज्ञान वैली, ग्राम-झरना,
महलां जोबनेर लिंक रोड़
जयपुर - अजमेर एक्सप्रेस वे जयपुर-303122
E-mail : jpd@jvwu.ac.in

JAYOTI VIDYAPEETH WOMEN'S UNIVERSITY, JAIPUR

Jayoti Mukim

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण समापन समारोह का आयोजन किया गया

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के एजुकेशन डिपार्टमेन्ट में छात्राओं द्वारा प्रशिक्षण समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया जेवीएन विदुषी गर्ग जी, कन्ट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन जेवीएन मेघना सिंघल एवं एजुकेशन डिपार्टमेंट की डीन मंजू शर्मा ने द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की।

छात्राओं ने समारोह में विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियाँ दी। जेवीएन चेयरपर्सन विदुषी गर्ग जी ने प्रदर्शनी में रिबन काट कर प्रदर्शनी का अनावरण किया। उन्होंने सभी छात्राओं के काम को खूब सराहा। प्रदर्शनी में छात्राओं ने क्राफ्ट, क्ले मॉडलिंग, पेपरमेशी में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और दर्शकों ने इसे खूब पसन्द भी किया।

पूजा पाल, JV-U/16/9779
IV Sem. - B.A. (Journalism)

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय की B.Sc.-B.Ed. एवं B.A.-B.Ed. की छात्राओं ने किया सामुदायिक भ्रमण

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय कि B.Sc.-B.Ed. एवं B.A.-B.Ed. की छात्राओं ने महलाँ गाँव में सामुदायिक भ्रमण किया। अपने इर्न्टनशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत किये गये इस भ्रमण में छात्राओं ने लोगों को अंधविश्वास, लिंग भेदभाव व उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक किया। छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अपनी बात लोगों तक पहुँचाने का प्रयास किये। छात्राओं के इस प्रयास को लोगों ने खूब पंसद किया।

मेघना कँवर
IV Sem. - B.A. (Journalism) II Sem.

ALONE

In this dark World, searching for love just give the one hug. I'll be all yours.
Being alone doesn't mean that you are alone, it means you are different from others.
Being alone means you are eligible to do things, which you love.
Being alone means there is no restrictions, which gonna stop you.
Being alone means go where ever you wanna go.
Being alone means just have a look at beautiful World.
Being alone means you can fly and touch the sky.
And then go, I'llcome to know that you are not all alone.
Beautiful nature is with you.
And they never gonna leave you.
So, being alone means achieving all the happiness.

LAVANYA SINGH
JV-U/17/1772, II Sem.

Title Code : RAJBIL01655
Issue 5, Volume 4
January, 2018

AWARENESS OF SANITARY NAPKINS

A sanitary napkin or a menstrual pad is an absorbent item worn by a Woman while menstruating situation where it is necessary to absorb a flow of blood from the vagina.

Lack of scientific understanding about menstruation, rampant myths and misconceptions, and limited or no access to hygienic menstrual products are some of the biggest problems crippling the women in rural India. While may studies and reports have brought to light the woes of women when it comes to menstruation, there have been fewer efforts to create awareness and provide access to sanitary products.

In today's date there are many projects are held to aware about the menstruation situations and to aware the women to were sanitary napkins. Just like this a “Project Baala” also doing the same things for women.

“Project Baala” is a menstrual hygiene initiative in rural India, creating impact through awareness workshop and distribution of reusable sanitary pads.

In India, 88% menstruating women do not use any sanitary products during their period and use alternative such as pieces of rag, ash, sand and husk. This results in a drop of 31% in productivity levels of working women and almost one in every four adolescent girls in country quits school due to the lack of any sanitary facilities. In addition to proving as a barrier a higher income and education levels, poor menstrual hygiene rooted in years of unawareness, misinformation and taboos substantially increases the risk of reproductive trace infection among these women.

Keeping this in mind, Baala Project was formed to provide a two-fold solution to menstrual problems in India :

1. Generating awareness about menstrual health and hygiene via workshops in rural areas.
2. Distribution of 3 reusable sanitary pads for women which can be used up to a year and a half.

“Project Baala” is now a social enterprise that seeks to eliminate this trade-off between food, education and sanitary products that prevails in India.

PRAGYA SIMONIYA
(B.A.-Journalism) II Sem.

''पत्रकार''

जिंदगी में कुछ नहीं आसान,
कुछ तो कर दिखाना है,
सच्चाई का साथ देकर,
पत्रकार बन दिखाना है,
पत्रकार की जब चले कलम
देशद्रोहियो के हिले कदम,
बाल की खाल निकालना हमारा काम,
आँखे खुली रहती है सुबह शाम,
तभी उजागर होते है,
नेताओं के काले काम,
खबरो को लोगो तक पहुँचाना है,
देश को उज्जवल भविष्य की ओर ले जाना है,
समाज की कुरूतियों को जड़ से उखाडना है,
पत्रकार बन बहुत सी जिम्मेदारी निभाना है,
सच्चाई का साथ देकर, पत्रकार बन दिखाना है।

कृति जैन
IV Sem. - B.A. (Journalism)

साक्षात्कार

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर के डिपार्टमेंट ऑफ ऐजुकेशन में शिक्षा के स्तर को जानने के लिए और महिला सशक्तिकरण विषय पर डीन के पद पर कार्यरत जेवीएन श्रीमती मंजु शर्मा ने अपने विचार पत्रकारिता विभाग की छात्राओं के साथ साझा किये।

आइए जानते है इस साक्षात्कार के कुछ प्रमुख अंश : -

प्रश्न : मैम, हम ये जानना चाहते हे कि आप इस विश्वविद्यालय में कब से कार्य कर रही है ?

उत्तर : मैं प्रोफेसर मंजु शर्मा फैक्लटी ऑफ मेथोडोलॉजी एवं डिपार्टमेंट ऑफ ऐजुकेशन की डीन फरवरी 14/2015 से काम कर रही हूँ। जो यहाँ के हमारे विभाग के कोर्स के प्रथम वर्ग के साथ ही मैने इस विश्वविद्यालय में डीन के पद का कार्यभार संभाला था। मैंने 21 वर्ष तक शिक्षिका के रूप में कार्य किया है, जिसमें करीब 13 वर्षों तक प्रधानाचार्य का पदभार संभाल चुकी हूँ।

प्रश्न : आप हमे ये बताये कि आप ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कहा से प्राप्त की ?

उत्तर : मै बाल-विवाह का शिकार थी। मेरी शादी 14 साल में हो गई थी। मैं 10वीं कक्षा पास थी बीच में 10 साल पढ़ाई छोड़ दी थी। शादी के बाद मैने अपनी पढ़ाई को जारी रखते हुऐ राजस्थान यूनिर्वसिटी से सन् 2000 में एम.ए.पी.एच.डी. एम.ईड. कुल छः विषय से एम.ए. किया। एम.एच.आर.डी. से एक Orientation भी किया। मेरी माँ अशिक्षित होते हुए भी मुझे प्रेरणा दी है कि शिक्षा पूरी करनी है और आगे बढ़ते रहना है।

प्रश्न : इस डिपार्टमेन्ट में कौन-कौन से विषय छात्राओं को पढ़ाये जाते है।?

उत्तर : हमारे डिपार्टमेन्ट में बी.एस.सी. बी.एड/इन्ट्रीग्रेटेड कोर्स बी.एम.सी./एम.एस.सी./एम.एस.सी इन केमेस्ट्री, मैथ्स, फिजिक्स / एम.ए. / इन इंग्लिश, इकोनोमिक्स, पॉलिटिकल साइंस, एम.एड. में स्पेस्यिलाइजेसन पढ़ाए जाते है। सेकेण्ड्री एवं ईलिमेन्ट्री एजुकेशन, हिस्ट्री, Political Science, Geography, Sociology, Economics, Sanskrit, Hindi, English Literature आदि कोर्स भी उपलब्ध है।

प्रश्न : विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्राओं का डिपार्टमेन्ट में होने वाली गतिविधियों में क्या योगदान रहता है ?

उत्तर : डिपार्टमेन्ट एवं विश्वविद्यालय के होने वाले कई महत्वपूर्ण अवसर, दिवस, महोत्सव पर हमसब मिलकर खास तौर पर हमारी छात्राये इसमें बहुत अहम किरदार निभाती है।इसे सम्पूर्ण करते है हमारे डिपार्टमेन्ट के शिक्षक जो कि हमेशा छात्राओं को प्रोत्साहित करते है।

प्रश्न : आप एक महिला, माँ, शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका में है ऐसे में आप के दृष्टिकोण से एक सशक्त नारी कि क्या परिभाषा है ?

उत्तर : मैं एक महिला, माँ, शिक्षक हुँ, जब मैनें माँ के रूप में पढ़ाई जारी रखी तो मेरे बच्चे ने मुझे पढ़ते हुए देखा है ताकि वो भी कुछ मुझ से सीख सके, तो माँ के रूप में मैं एक अच्छा उदाहरण रही हूँ।एक महिला होने के नाते मैं ये चाहती हूँ कि समाज में हर स्तर कि महिला शिक्षित और आत्मर्निभर बने और शिक्षक के रूप में मैनें जब सन् 1977 से शिक्षक बनी उस समय के विद्यार्थीगण आज I.A.S./ RAS / DM / SP एवं कई शिक्षक बन सभी अपने अपने स्तर से समाज के हर क्षेत्र में ईमानदारी और सच्चाई के साथ जीवन ज्ञापन कर रहे हैं।हमने जो शिक्षा विद्यार्थियों को दी थी वो आज भी उसका भलिभांति पालन कर रहे हैं।

प्रश्न : आप अपने बच्चों एवं विद्यार्थीयों के लिए एक प्ररेणा रही है, ऐसे में आपके जीवन में आपकी प्रेरणास्रोत्र कौन रही है ?

उत्तर : मेरी माँ मेरी प्रेरणा रही है क्योंकि मैने अपने पिताजी को छः माह कि उम्र में ही खो दिया था।मैं अकेली थी, मेरे सपने, मेरे परिवार के सपने थे, चूंकि मैं एक संयुक्त परिवार में पली-बढ़ी थी तो सबने मुझे सहयोग किया।कम उम्र में शादी होने के बाद भी मेरे पति ने मुझे बहुत सहयोग किया है।माँ ने हमेशा एक बात कही थी कि अपनी शिक्षा जरूर पूरी करना और आगे बढ़ते रहना।

प्रश्न : महिलाओं एवं छात्राओं का शिक्षित होना बेहद जरूरी है इस सवाल पर आपका क्या कहना है ?

उत्तर : शिक्षा अमृह है।इसका उदाहरण मैं स्वयं हूँ।मेरे नज़रिये से हर महिला को अपनी पहचान खुद बनानी चाहिए और ये बेहद जरूरी भी है, क्योंकि जब एक महिला शिक्षित होती है तब पूरा घर, परिवार, समाज शिक्षित होता है और जब एक समाज शिक्षित होगा तभी देश का विकास संभव है।

प्रश्न : आप हमें बता सकते है कि विश्वविद्यालय कि छात्राओं अब तक कहा शैक्षणिक भ्रमण के लिए जा चुकी है ?

उत्तर : हमारे विश्वविद्यालय की छात्राएँ समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण पर जाती है छात्राओं को उनके विषय के आधार पर उन्हें भ्रमण करवाते है। जैसे Biological Park, Technological Park, Birla Auditorium, Mathematic के छात्राओं को Jantar Mantar भेजा है।Botany के छात्र कपुर कुलिश वन जा चुके है।अलग-अलग जगहों पर जा कर विषय से सम्बन्धित म्यूजियम पोल की History की जानकारी ली है सामाजिक विज्ञान विषय के छात्राओं ने भी कई भ्रमण किया है।

प्रश्न : आपके नजरिये से एक शिक्षक में क्या गुण होने चाहिए जो शिक्षक को सम्पूर्ण बनाते हो ?

उत्तर : 21वीं सदी के नये युग के आधार पर हमारे शिक्षक को एक मार्गदर्शक, दार्शनिक, एक अच्छा मित्र से संबोधित किया गया है। छात्र-छात्राओं से समय-समय पर सही मार्ग दिखाये उनकी समस्याओं को सुने, और समस्याओं का समाधार करें। एक शिक्षक को पक्षपात से हटकर रहना चाहिए। शिक्षक को हमेशा आत्म अनुशासन में रहना चाहिए।ताकि छात्र भी अपनी जीवन में अनुशासन का पालन करें।

प्रश्न : अन्त में आप से पूछना चाहूँगी किआप अपने छात्राओं को क्या संदेश देना चाहती है ?

उत्तर : मैं छात्राओं से कहना चाहती हूँ कि एक दृंढ़ संकल्प के साथ अपनी शिक्षा को सम्पूर्ण करें। अपने जीवन में अनुशासन का पालन करते हुए सत्यवादिता, ईमानदारी के मार्ग पर सदैव चले।

नाजिया अहमद,
II Sem. - B.A. (Journalism) 1st Year

Society Setup hoga, Tabhi National Build up hoga!

मेघा श्याम,
IV Sem. - B.A. (Journalism) 2nd Year

Title Code : RAJBIL01655
Issue 5, Volume 4
January, 2018

Gender Discrimination at Work Place

Men and Women have the right not to be discriminated at work because of their gender some employers have out doted ideas about what work is appropriated for Women, what work is appropriate for Men & how that work should be rewarded.

Some employers allow or ignore sexual harassment in the work place or apply rules that put either Women or Men at on unfair disadvantage.

Gender discrimination happens when your boss uses your gender to make an Employment decision about you. You can be discriminated against whether you are a man or a Woman & whether your boss is a Man or a Woman. Woman in your workplace are always passed over for promotions. These promotions sometimes are given to less qualified & less senior male employees.

Approximately 85 percent of Women & near around 80 percent of Men report that they have seen discriminatory behavior in a professional environment. Gender inequality discrimination against Women in the workplace have been a problem for many years at a global scale.

Gender inequality is defined as a phenomenon where an individual is discriminated against or receives unequal treatment based on their gender.

It is common for most Women to encounter some form of gender bias. Women continue to push through gender barriers & more & more of them are choosing careers in traditionally Male dominated fields such as technology & engineering.

For all their efforts in some areas, Women still get recognized & rewarded less than Men. Women need to overcome the image that they are sensitive people, which let their emotions control their mind.

They need to prove that they can think with their minds & not their hearts. When it comes to business, Most people want to correct the unequal treatment of Women in the workplace.

Even today as Women are not treated the same as Men. Discrimination can be an uncomfortable situation for the Women involved.

POOJA PAL, JV-U/16/9779
(B.A.-Journalism) IV Sem.

© सर्वाधिकार सुरक्षित
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. पंकज गर्ग द्वारा लक्ष्मी ऑफसेट, G-1 मधुबन कॉलोनी टोंक फाटक जयपुर-302018 से मुद्रित एवं ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, वेदान्त ज्ञान वैली, ग्राम-झरना, महलां जोबनेर लिंक रोड़ जयपुर - अजमेर एक्सप्रेस वे जयपुर-303122 से प्रकाशित।
घोषणा एवं शर्तें : समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र केवल जयपुर होगा। 'JAYOTI MUHIM (ज्योति मुहिम)' में प्रकाशित लेखों, चित्रों एवं अन्य सामग्री से सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में केवल संबंधित लेखक का ही दायित्व होगा।